Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE

FINAL TERM EXAMINATION (2023-24)

CLASS: IX

SUBJECT-HINDI

TIME- 3 hrs **M.M.-80**

The paper comprises two sections section A and Section B.

Section A is compulsory. All questions in section A must be answered Attempt any four questions from section B answering at least one question each form the two books you have studied. The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

Section A (40 marks)

(Attempt all Questions)

Question-1

निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय मे लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:– **[15]**

(i) जीवन मे खेलकूद मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ सुख समृद्धि भी देते है। विद्यार्थी जीवन मे इसकी उपयोगिता बहुत अधिक है। अपने किसी प्रिय खेल का वर्णन करे तथा यह खेल भविष्य में आपको कैसे लाभान्वित कर सकता है?

(ii) संगठन में विकास होता है और फूट में विनाश। इस उक्ति के आधार पर अपनें विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iii) बेरोजगारी एक अभिशाप है क्योकि आजीविका न होने पर मनुष्य पेट की आग मिटाने के लिए किसी भी हद तकजा सकता है। आज विश्व मे बढता आतंकवाद इसी का दुष्परिणाम है बेरोजगारी के कारण तथा उसके दुष्परिणाम पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो– 'जाको राखे साइयॉ मारि सके न कोय।'

(v) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Question-2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी मे लगभग 120 शब्दो में पत्र लिखिए। **[7]**

(i) परीक्षा के समय अनावश्यक रूप से तेज बजनें वाले लाउडस्पीकरों से अध्ययनमे पड़नें वाली बाधा का वर्णन करते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र।

अथवा

(ii) आपके छोटे भाई का स्वास्थ्य खराब रहता है वह शरीर से बहुत कमजोर हो गया है उसे प्रातः कालीन भ्रमण के लाभों का वर्णन करते हुए भ्रमण के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए।

Question-3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिंदी मे लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दो मे होने चाहिए। **[10]**

एक किसान था। उसका नाम गोमा मोरी था। उसकी गुजर–बसर लायक ही खेती थी। उसके पास एक गाय, एक जोड़ी बैल, बीस बकरियाँ, छोटा सा घर तथा घर के सामने पशु बांधने का बाड़ा था। तीन साल से

वर्षा बहुत कम हो रही थी जिसके कारण न फसले हुई थीं और न चारा। इस वर्ष भी आषाढ़ सुखा ही रह गया। वर्षा की कोई आशा नहीं बँधी थी। गोमा ने एक लम्बी साँस छोड़ी और मन–ही–मन सोचा कि "खेत जोतकर क्या करूंगा?" वह बैलों को हाँकते हुए वापस घर की ओर चल पड़ा।

अगले दिन गोमा बड़े सवेरे सोकर उठा और गाय, बैल व बकरियों को बाड़े से निकाला। उसकी पत्नी बकरियों को घेरकर उन्हें चराने चली गई। उसने फिर हिम्मत जुटाई और हल को बैलों के कँधे पर रखकर खेतों की ओर चल पड़ा। रास्ते में उसे कई किसानों ने टोककर कहा कि "गोमा ! खेत जोतने से क्या होगा? वर्षा के तो कुछ भी आसार नहीं दिख रहे।" गोमा ने सभी की बात सुनी। कई बार उसका मन डाँवाडोल भी हुआ फिर भी उसने हिम्मत रखी और कुछ सोचकर खेत पर पहुंच गया।

उसने आकाश की ओर देखा, सूरज आग के गोले की तरह जल रहा था फिर उसने धरती को भी निहारा, खेतों में गहरी और चौड़ी दरारें पड़ गई थी। वह बैलों को देखकर उनकी दशा से भी चिन्तित था। भूख–प्यास सहन करते–करते वे बहुत दुबले हो गए थे। वह थोड़ा निराश भी हुआ। उसे बैलों की दशा पर दया आ गई। उसने फिर एक लम्बी साँस छोड़ी और खेत की मेड़ पर एक वृक्ष के नीचे बैठकर सोचने लगा कि वह क्या करे? खेत जोते या उसे यों ही पड़ा रहने दे। वह सोचता रहा। थोड़ी देर बाद वह उठा और दुःखी मन से बैलों को हाँककर घर की राह पकड़ ली। उसने निर्णय कर लिया कि वह तब तक खेत नहीं जोतेगा, जब तक कि वर्षा नहीं हो जाती। धूप काफी तेज थी। दूसरे दिन वह और भी निराश हो गया। उसके पैर न आगे बढ़ते थे और न पीछे जाने की उसमें हिम्मत ही थी। रास्ते में एक पेड़ के नीचे उसने बैलों को रोका और वहीं नीचे जमीन पर बैठ गया।

तभी वहाँ पर एक बूढ़ी अम्मा आ गई। वह भी उसी पेड़ के नीचे बैठ गई। गोमा ने पूछा, "अरी ओ बूढ़ी अम्मा! इतनी तेज धूप में कहाँ से आ रही हो? तुम्हें किधर जाना है?" बूढ़ी अम्मा ने कहा, "मैं तो अपनी नातिन से मिलने पास के गाँव जा रही हूँ, लेकिन तुम इस समय यहाँ क्या कर रहे हो? यह समय तो खेत में हल जोतने का है, परन्तु तुम यहाँ आराम कर रहे हो। क्या तुम बीमार हो या तुम्हारे बैल बीमार हैं या कहीं तुम्हारा हल टूट तो नहीं गया है?

गोमा बोला– "नहीं अम्मा! न तो मैं बीमार हूं और न ही मेरे बैल बीमार हैं तथा मेरा हल भी नहीं टूटा है। टूटी है तो मेरी हिम्मत। अम्मा तुम तो जानती हो कि तीन साल से वर्षा ठीक से नहीं हुई है और इस वर्ष भी यही हाल है, तो खेत जोतकर क्या करूँ।"

बुढ़ी अम्मा बोली– "देखो बेटा! वर्षा तुम्हारे हाथ में नहीं है, यह तो प्रकृति पर निर्भर है। जब बादल बनेंगे, तो वर्षा अवश्य होगी। तुम्हारा काम है खेत जोत– जोतकर तैयार करना। तुम अपना काम समय पर करो और प्रकृति अपना काम समय पर करेगी। वर्षा अवश्य ही होगी।"

(i) गोमा किसान की पूँजी क्या थी? वर्षा की कोई आशा न देखकर वह क्या सोच रहा था?

(ii) खेतो की ओर जाते समय गोमा को किसानों ने क्या कहा? खेत पहुँचकर उसने क्या देखा?

(iii) किसान खेत पहुँचकर किस दुविधा में पड़ गया था? उसने वहाँ क्या निर्णय लिया?

(iv) बूढ़ी अम्मा और गोमा के बीच क्या बातचीत हुई? अम्मा ने गोमा को क्या सीख दी?

(v) प्रस्तुत गद्यांश के केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए।

Question-4

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **[8]**

(1) 'अनाथ' का विलोम शब्द

(a) साकार (c) अहंकार

(b) निराकार (d) सनाथ

(2) उग्र शब्द का पर्यायवाची–

(a) दुख–विषाद (c) उद्भव–उत्पन्न

(b) उत्कट–प्रचंड (d) उद्यान–उपवन

(3) 'समीप' की भाववाचक संज्ञा बताइए

(a) समान (c) सम्भावना

(b) ~~सामीप्यम~~ सामीप्य (d) सम्पूर्ण

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(4) 'नुकसान' का विशेषण बताइए–

(a) नुकीली (c) निराकार

(b) नुकीला (d) नुकसान दायक

(5) 'वाल्मीकी' का शुद्ध रूप बताइए

(a) वालमीकि (c) वाल्मीकि

(b) वाल्मिकी (d) वालमिकि

(6) कवियित्री का शुद्धरूप बताइए–

(a) कवित्री (c) कवयित्री

(b) कवियत्री (d) कव्यित्री

(7) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए। वाक्य मे 'लगा दिया'का प्रयोग कीजिए– (मूर्तिकार ने मूर्ति मे संगमरमर का चश्मा लगाया।)

(a) कलाकार ने मूर्ति के ऊपर चश्मा लगा दिया।

(b) मूर्तिकार ने मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा लगा दिया।

(c) मूर्तिकार ने मूर्ति मे लोहे का चश्मा लगा दिया।

(d) कलाकार ने मूर्ति की ऑखो पर चश्मा लगा दिया।

(8) 'बच्चा' की भाववाचक संज्ञा बताइए

(a) शिशु (c) बच्चे

(b) बचपन (d) बच्चों

Section B (40 Marks)

(खण्ड ख)

इस खण्ड मे केवल चार प्रश्नो के उत्तर दे।

साहित्य सागर–संक्षिप्त कहानियॉ

Question-5

निम्नलिखित गद्यांश को पढकर उसके नीचे दिये प्रश्नो के उत्तर हिंदी मे लिखिए–

"मै असमंजस में रहा। तब वह तेज गति से एक ओर बढ़ा और कुहरे मे मिल गया। हम भी होटल की ओर बढे।"

– (अपना–अपना भाग्य जैनेन्द्र)

(i) कहानी मे नैनीताल की सुन्दरता का वर्णन कीजिए। **[2]**

(ii) वकील साहब की वेशभूषा का वर्णन अपने शब्दो में कीजिए। **[2]**

(iii) "तब वह तेज गति से एक ओर बढ़ा और कुहरे में मिल गया।" वह शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है और कुहरे में कौन मिल गया? **[3]**

(iv) 'लेखक' के मित्र के चरित्र की विशेषता का विस्तार से वर्णन कीजिए। **[3]**

Question-6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिंदी मे लिखिए।

गरीब के मुँह, छाती, मुट्ठियॉ और पैरो पर बर्फ की हल्की–सी चादर चिपक गई थी, मानो दुनिया की बेहयाई ढकने के लिए सफेद और ठण्डे कफन का प्रबन्ध कर दिया हो।

– (अपना–अपना भाग्य जैनेन्द्र)

(i) 'गरीब' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? उसका परिचय दीजिए। **[2]**

(ii) 'दुनिया की बेहयाई' से क्या तात्पर्य है? **[2]**

(iii) 'सफेद और ठण्डे' कफन की संज्ञा किसे दी? और क्यो **[3]**

(iv) आपके अनुसार बालक की मृत्यु के लिए कौन उत्तरदायी है और क्यो? तर्क सहित उत्तर दीजिए **[3]**

Question-7

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिंदी मे लिखिए।

हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रूके, तभी उन्होने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैल गई।

– (नेताजी का चश्मा–स्वयं प्रकाश)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(i) पहली बार कस्बे से कौन गुजरा तथा उसने किस बात का अनुभव किया? [2]

(ii) किसके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैल गई तथा क्यों? [2]

(iii) मूर्ति के विषय में सोचते हुए वे किस निष्कर्ष पर पहुँचे? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) मूर्ति के रंग–रूप या कद के महत्व के बजाय किसका महत्व अधिक होता है? गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

Question-8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

झरने अनेक झरते, जिसकी पहाड़ियो में,
चिड़ियॉ चहक रही है, हो मस्त झाड़ियो में।
अमराइयॉ घनी है, कोयल पुकारती है।
बहती मलय पवन है, तन–मन सॅवारती है।

– (वह जन्मभूमि मेरी–सोहनलाल द्विवेदी)

(i) कवि ने अपने राष्ट्र की सुन्दरता का बखान क्यो और किस प्रकार किया है? [2]

(ii) शब्दों के अर्थ लिखिए– अमराइयॉ, घनी, मलय पवन। [2]

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों मे कवि ने भारत भूमि की किस विशेषता को बताया है? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता का उल्लेख करते हुए बताइए कि हमारा धर्म और कर्म क्या है? [3]

Question-9

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे लिखिए।

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन–ठन के सॅवर के।

– (मेघ आए–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

(i) ''बरस बाद सुधि लीन्ही'' के द्वारा कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है? [2]

(ii) निम्नलिखित शब्दो के अर्थ लिखिए [2]
जुहार, सुधि, अकुलाई, हरसाया

(iii) 'ताल' शब्द का क्या अर्थ है? ताल ने अपना हर्ष किस प्रकार प्रकट किया? [3]

(iv) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी का संक्षिप्त परिचय लिखिए। [3]

Question-10

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिंदी मे लिखिए–

मेघ आए बड़े बन–ठन के सॅवर के।
आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली,
दरवाजे–खिड़कियॉ खुलने लगीं गली–गली,
पाहुन ज्यों आए हो, गॉव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन–ठन के सॅवर के।

– (मेघ आए–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने प्रकृति की सुन्दरता का वर्णन किस प्रकार किया है? [2]

(ii) शब्दो के अर्थ लिखिए– बयार, पाहुन, मेघ, बन–ठन के। [2]

(iii) प्रस्तुत पंक्तियो में 'पाहुन' शब्द को किस सन्दर्भ में लिया गया है? [3]

(iv) रचनाकार का उल्लेख करते हुए पद्यांश का आशय स्पष्टकीजिए। [3]

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE